Pak-occupied Kashmir territory and inspection of the forward positions and military installations sometime in the month of May, 1986; and

(b) if so, what are the details thereof and what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) and (b) Government have seen press reports about the visit of a US military experts team to Pak-occupied Kashmir for inspection of the forward positions and military installations. The US Embassy in New Delhi has, in a Press release on May 13, 1986, stated that there is no truth whatsoever in these reports.

पर्यटन विभाग से राजभाषा का प्रयोग

251. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पर्यटन विभाग में हिन्दी सलाहकार समिति का गठन कब से नहीं किया गया है और उसके क्या कारण हैं और यदि इसका गठन हाल में किया गया है तो समिति का गठन किए जाने में विलम्ब के क्या कारण हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि पर्यटन विभाग के अधीन होटल निगम राजभाषा से संबंधित प्रावधानों का उल्लंघन कर रहा है ;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(घ) राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए अब तक क्या प्रयास किए गए हैं ?

पर्यटन मंत्री (श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद) : (क) पर्यटन विभाग की प्रस्तावित हिन्दी सलाहकार समिति के लिए राजभाषा विभाग द्वारा दो-तीन गैर-सरकारी सदस्यों और संसदीय राजभाषा समिति द्वारा दो संसद सदस्यों के नामांकन की अभी प्रतीक्षा है । जैसे ही ये नामांकन प्राप्त हो जाएंगे, हिन्दी सलाहकार समिति का गठन करने का कार्य आरम्भ किया जायेगा ।

(ख) और (ग) नागर विमानन विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार, राजभाषा से संबंधित प्रावधानों का भारतीय होटल निगम द्वारा अधिकतर पालन किया जा रहा है ।

(घ) राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों, राजभाषा नियमों व समय-समय पर राजभाषा विभाग से प्राप्त आदेशों का अनुपालन करने के लिए सभी संभव प्रयास किए जाते हैं ।

पर्यटन विभाग ने स्वदेशी पर्यटन का संवर्धन करने के लिए हिन्दी में अनेक ब्रोशरों, फोल्डरों का प्रकाशन कराया है । हाल ही में निम्नलिखित फोल्डर प्रकाशित कराए गए हैं: 1. बद्रीनाथ 2. द्वारिका 3. पुरी 4. रामेश्वरम 'भारत के प्रमुख तीर्थ'' नामक एक ब्रोशर भी प्रकाशनाधीन है ।

राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन पर निगरानी रखने हेतु पर्यटन विभाग की आवधिक रूप से बैठकें आयोजित की जाती हैं ।

विदेशों में भारतीय दूतावासों में हिन्दी का प्रयोग

252. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव**: क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विदेशों में भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास बोलने, पढ़ने तथा लिखने में राजभाषा को कोई महत्व नहीं देते हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि जब कि विश्व के अन्य स्वतन्त्र देश संयुक्त राष्ट्र संघ में अपनी-अपनी भाषा का प्रयोग करते हैं ; भारत ब्रिटेन की औपनिवेशवाद की भाषा का प्रयोग करता है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा स्थिति में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के. आर. नारायनन्) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) यह सही नहीं है कि सभी स्वतंत्र देश संयुक्त राष्ट्र मंच पर अपनी-अपनी भाषा का इस्तेमाल करते हैं । शिष्टमंडलों के सदस्य अंग्रेजी, रूसी, चीनी, स्पेनी तथा अरबी